>

Title: Regarding Business of the House.

डॉ. मुरली मनोहर जोशी (वाराणसी): अध्यक्ष महोदया, मुझे आपसे निवेदन करना है कि पार्लियामेंटरी मिनिस्टर को आप हमारी तरफ से हाथ जोड़कर यह बताइए कि वह अपने तर्ज़े-बयां को ठीक रखें। वह जिस ढंग से बात कर रहे हैं, ऐसे सदन नहीं चल सकता।...(व्यवधान) यह क्या तरीका है?...(व्यवधान)

14.31 hrs

At this stage, Shri M. Venugopal Reddy and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table.

डॉ. मुरली मनोहर जोशी : हम बहस करने के लिए तैयार हैं। हम हर तरह से तैयार हैं, कोपरेट कर रहे हैं।...(व्यवधान) और वह हम से आकर कह रहे हैं कि...(व्यवधान) What do you mean by this कि यह हाउस आपका है,...(व्यवधान) यह इनकी जिम्मेदारी है। यह कोई तरीका है बात करने का?...(व्यवधान) आज तक इन चालीस सालों में मेरे से किसी मिनिस्टर ने ऐसे बात नहीं की।...(व्यवधान) क्या यह इनका तरीका है?...(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री कमल नाथ): मैडम, मैं इनसे निवेदन कर रहा था, जब हाउस शुरू नहीं हुआ था।...(व्यवधान)

DR. MURLI MANOHAR JOSHI : As the Minister of Parliamentary Affairs, he should know. ...(*Interruptions*)

SHRI KAMAL NATH: I want to clarify. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : कृपया आप लोग अपनी सीट पर बैठ जाइए। Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

MADAM SPEAKER: Enough is enough. You please go back. We have to run the House.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग अपनी सीट पर जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : प्लीज जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : प्लीज़ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग जाइए। बहुत इम्पोर्टेंट बिल है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग प्लीज अब जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग यहां रहेंगे तो कैसे हाउस चलेगा? आप लोग जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री कमल नाथ : मैडम, जब हाउस शुरू नहीं हुआ था, मैं सब से निवेदन कर रहा था, सब साथ थे और सब सुन रहे थे।...(व्यवधान) मैं तो बोल लूं।...(व्यवधान) आप मुझे बोलने दें।...(व्यवधान)

डॉ. मुरली मनोहर जोशी : आप माफ कीजिए, आप गलत बयानी मत कीजिए।...(व्यवधान)

श्री कमल नाथ : मैंने इनसे निवेदन किया था, सुषमा जी भी थीं और सब थे। यह आज की बात नहीं है, मैं हमेशा इनसे फ्लोर के उस तरफ जाकर बात करता रहता हूं। आज मैंने इनसे कहा कि यह चल रहा है, अभी हमारी बात हुई है और दो बजे जब हम उठे तो ऐसे वातावरण में उठे कि हाउस चलेगा। उसके बाद मैंने कहा कि अब क्या करें, मैंने इनसे यह प्रश्न पूछा। मैंने कहा कि इनको समझाएं, मैं जाकर समझा रहा हूं। क्या इन को नेम किया जाए? क्या करे? मैंने कहा कि स्पीकर से बात करते हैं। आप सब यह बात सुन रहे थे। उसके बाद मैंने कहा कि यह सदन मेरा नहीं है।...(व्यवधान) सुनते जाइए। मैंने कहा कि यह सदन मेरा नहीं है, आपका भी

हैं।...(व्यवधान) कहा कि आप कैसी बात कर रहे हैं।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्री कमल नाथ : मुझे अपनी बात खत्म करने दीजिए।...(व्यवधान) आप मुझे सम्मान और बुजुर्गों के बारे में मत बताइए।...(व्यवधान) मैं बोल तो लूं।...(व्यवधान)

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): आपने जो बोला वह गुस्से में बोला। आपको गुस्से में नहीं बोलना चाहिए था।

श्री कमल नाथ : मैं कह रहा हूं कि मैंने यह गुस्से में कहा कि यह सदन मेरा नहीं है, यह सदन आपका भी है और सब का है।...(व्यवधान) आप मेरी बात सुन लीजिए।...(व्यवधान) आप सुन तो लीजिए।...(व्यवधान)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): आपने कहा यह मेरी जिम्मेदारी नहीं है।...(व्यवधान)

श्री कमल नाथ : मैंने कहा यह माननीय स्पीकर की जिम्मेदारी है।...(व्यवधान) आप सुन तो लीजिए मेरी बात।...(व्यवधान) इस पर क्यों बहस कर रहे हैं? ...(व्यवधान) क्या मैं अपनी बात खत्म कर लूं?...(व्यवधान)

श्री गोपीनाथ मुंडे (बीड): आप मैडम की बात तो सुनिए।...(व्यवधान)

श्री कमल नाथ : मुंडे जी, आप बैठ क्यों नहीं जाते?...(व्यवधान) मैं तो हंस कर बोल रहा हूं। उस वक्त मैं हंस कर नहीं बोल रहा था, यह मैं स्वीकार कर रहा हूं।...(व्यवधान) डॉ. जोशी का मैं बहुत सम्मान करता हूं।...(व्यवधान) इसमें कोई बात नहीं है। वे हमारे बुजुर्ग हैं, वरिष्ठ हैं। अगर उन्हें मेरे गुस्से से कोई ठेस पहुंची है तो मैं यह वापस लेता हूं। इसमें कोई बात नहीं है। पर, यह कहना कि मैंने कुछ ऐसे शब्दों का उपयोग किया।...(व्यवधान) हां, मैं गुस्से में जरूर था। गुस्से में नहीं रहूंगा तो क्या मैं मुस्कुराऊंगा?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : गोपीनाथ मुंडे जी।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : सुषमा जी, क्या आपको बोलना है?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष जी, क्या बोला जाता है, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं होता, कैसे बोला जाता है यह उस से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। ऊपर अभी जो सर्वदलीय बैठक हुई, वह बहुत ही सद्भावनापूर्ण वातावरण में हुई। मुझे आपको बताते हुए खुशी है कि उसके बाद कमल नाथ जी ने एक स्लिप भेजी- "At 2 p.m? मैंने कहा- "Food Security Bill". मैंने ऊपर से नीचे संदेश भिजवाया कि दो बजे फूड सिक्यूरिटी बिल प्रारंभ करो, हमें नीचे उतरने में दस-पन्द्रह मिनट लग सकते हैं। उप नेता को मैसेज मिला कि दो बजे फूड सिक्यूरिटी बिल शुरू करो। मुझे आने पर बताया गया। डॉ. जोशी बोलने के लिए खड़े हुए लेकिन यहां वातावरण चूंकि शांत नहीं था तो उन्होंने कहा कि हाउस व्यवस्थित कर दीजिए, मैं बोलूंगा। जब मैं नीचे उतरी तो टी डी पी के ये चारों साथी बाहर थे। मैंने इनसे प्रार्थना की कि देखो फूड सिक्यूरिटी बिल लिस्टेड है, उस पर चर्चा होने दो। आप चारों लोग गांधी मूर्ति के पास चले जाओ, एजिटेशन का मोड बदल दो। ...(व्यवधान) आप एजिटेटेड हैं। आप मोड बदल दो, वहां चले जाओ तो इन्होंने मुझ से कहा कि कांग्रेस के सारे मिनिस्टर्स और एम.एल.ए. वहां आ कर बैठे हुए हैं। अगर कांग्रेस अपने लोगों को चुप नहीं करा सकती और वे दिल्ली आकर धरना करते हैं तो आप हमें क्यों कहती हैं? मैंने कहा कि मेरी नमो नागेश्वर राव जी से भी बात हुई है। आप लोग एजिटेशन का मोड बदल दो। यह बड़ा बिल है। आप इस पर चर्चा होने दो। इसे पारित होने दो।

मैं संसदीय कार्य मंत्री से कहना चाहती हूं कि एक तरफ हम लोगों का यह व्यवहार है। सर्वदलीय बैठक में सदन चलाने के लिए एक आम सहमति बने, इसमें हमने को-ऑपरेट किया। ऊपर से संदेश भेजा कि बिल प्रारंभ किया जाए। इनको मनाने की मेरी जिम्मेदारी नहीं है लेकिन इनको भी मैं मना रही हूं। उसके बाद जब कमल नाथ जी यहां आए तो उन्होंने कहा कि क्या करना है। मैंने कहा कि मैंने उन चारों को बोला है कि आप गांधी मूर्ति के पास चले जाओ। गिरिजा व्यास जी यहां आयीं। उन्होंने आकर मुझ से कहा। मैंने कहा कि मैंने उन चारों को बोला है कि गांधी मूर्ति के पास चले जाओ ताकि शांति से चर्चा हो सके। उसके बाद वे डॉ. जोशी की तरफ गए। उन्होंने डॉ. जोशी से वह बात कही। मैंने कहा न कि क्या बोला, वह महत्वपूर्ण नहीं है लेकिन जिस अंदाज में बोला। अब वे कह रहे हैं कि उन्होंने अपनी बात वापस ले ली। मैं संसदीय कार्य मंत्री को कहना चाहती हूं कि यह सदन चल सकता है बशर्ते आप विनम्रता से चलाना चाहें। एक काम सीख लीजिए। आप में सारे गुण होंगे, पर विनम्रता का आप में अभाव है। आप विनम्र हो जाएं तो यह सदन चल जाए। मैं कहती हूं कि सदन को न चलाने में बहुत बड़ी भूमिका संसदीय कार्य मंत्री के तरीके की है।...(व्यवधान) अगर वे अपने स्वभाव में विनम्रता ले आएं तो यह सदन पहले ही चल जाए। आज तो सुबह वे वेल में ही आ गए थे। वे तो यहां तक की भी मर्यादा तोड़ते हैं लेकिन मेरे कहने का यह अर्थ है कि हम सदन चलाना चाहते हैं। मैं अपने टी डी पी के साथियों से भी रिक्वेस्ट करती हूं कि वे चुपचाप शांति से या तो गांधी मूर्ति के पास चले जाएं या बिना नारे लगाए खड़े रहे ताकि डॉ. जोशी इस बात को शुरू कर सकें। इस बात को हम यहीं समाप्त करें। कमल नाथ जी, आगे से आप अपने तरीके में बदलाव लाइए। आप कहते क्या हैं, उससे ज्यादा इम्पॉर्टेन्ट यह है कि आप कैसे कहते हैं।...(व्यवधान) उसको अगर आप बदल लेंगे तो यह सदन चल जाएगा।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री गोपीनाथ मुंडे, क्या आपको कुछ कहना है?

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष महोदया, मैं कहना चाहता हूं कि सुषमा जी और कमल नाथ जी ने जो कहा कि सदन चलाने के लिए पूरा सदन एक है। समस्या यह है कि मैंने चन्द्र बाबू नायडू जी से भी रात को बात की थी और मैंने अपने मित्रों से भी बात की है। मैंने यह निवेदन किया है कि आपके चलते सदन आठ दिन से नहीं चल रहा है, इसमें न सुषमा जी की गलती है, न उनकी गलती है और न सदन में बाकी बीच के लोगों की गलती है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन में यह कहना चाहता हूं, इनसे अपील करना चाहता हूं कि अपनी पार्टी के लोगों से बात करें। आपकी समस्या से सब को सहानुभूति है, लेकिन इस सहानुभूति को खोने का काम मत करिए। आपसे सब लोगों ने निवेदन किया है और हम भी यही निवेदन कर रहे हैं कि आपका प्रोटेस्ट चार-पांच मिनट हो जाए, लेकिन लगातार प्रोटेस्ट न करें। जैसे जोशी जी बोल रहे हैं कि ये महत्वपूर्ण बिल है, यदि ये नारे भी लगाएंगे और बोलेंगे तो निश्चित तौर पर कुछ भी बात सुनाई नहीं पड़ेगी। मैं इसलिए कहना चाहता हूं,...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: ये क्या कर रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : ये आपकी बात ठीक नहीं है। हम सब लोग आपके साथ हैं।...(व्यवधान) सब लोग सदन को चलाना चाहते हैं। आप लोग चार-पांच मिनट बोलिए।...(व्यवधान) क्या आप पूरे देश को खत्म कर देंगे?..(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦**